डा. के.अनिता
सहायक प्राध्यापिका
गायत्री विध्यापरिषद कालेज फर डिग्री एन्ड पी.जी.कोरसेसे [ए]
विशाखपटनम,आन्ध्रप्रदेश

व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल शिक्षा :अभिप्राय और अवधारणा

लघुसार: व्यावसायिक शिक्षा वह शिक्षा है जो व्यवसाय संचालन संबंधी जानकारी प्रदान करती है। व्यावसायिक शिक्षा द्वारा शिक्षा के वास्तविक उद्देश्यों को मूर्त रूप प्रादान किया जाता है।व्यावसायिक शिक्षा द्वरा छात्रों का सर्वंगीन विकास भी किया हाता है।प्राथमिक तथा मध्य स्तर पर स्वास्थ्य की शिक्षा पाने से व्यक्ति परिवार और समाज के स्वास्थ्य के प्रति प्रतिबद्ध होगा।

आज का पढा-लिखा युवक बेरोजगारी से परेशान है।उसकी शिक्षा न तो उसे और न ही समाज को ही कोई लाभ पहुंचाती है।इसका कारण हमारी शिक्षा व्यवस्था में व्यावसायीकरण का अभाव है।यदि माध्यमिक शिक्षा स्तर पर व्यावसायिक शिक्षा की व्यवस्था कर दी जाये व्यावसायीकरण कर दिया जाये तो निश्चित ही आर्थिक अवरोध और बेरोजगारी की समस्या हल हो सकती है। व्यावसायिक शिक्षा, छात्रों को व्यवसाय चुनने एवं व्यवसाय संबंधित योग्यता प्राप्त कराने का अवसर प्रदान करती हैं। शिक्षा अपने वास्तविक उद्देश्यों और लक्ष्यों की प्राप्ति तभी कर सकती हैं जब वह शिक्षा व्यावसायिक शिक्षा हो। शिक्षा इंसान के जीवन परिवर्तित कर मानवीय गुण का संचार करती है एवं ज्ञानवान बनाती है ,जबकि शिक्षा के साथ कुशलता वाली शिक्षा देने से भविष्य में उन्हें रोजगार की चिंता नहीं होती है। आज के समय में विज्ञान,आनलाइन तकनीकी और रचनात्मक कला तीव्र गति से बढ रही है और क्षेत्रों में उत्तम कार्मियों की आवश्यकता भविष्य में है ।इसी को ध्यान में रखते हुए कुशल योग्यता वाली शिक्षा आवश्यक है। जीवन में शिक्षा के द्वारा सुख शान्ति की स्थापना के लिए इसे रोजगारोन्मुखी बनाना अनिवार्य हैं।

बीज शब्द : व्यावसायिक एवं कौशल शिक्षा -अर्थ एवं परिभाषा, अवधारणा , विशेषताएं एवं महत्व

भूमिका :मनुष्य के जीवन में जितना महत्व भोजन,कपडे ,हवा और पानी का है,उससे कहीं अधिक महत्व शिक्षा का है।इंसान की बुद्धि का विकास शिक्षा अर्जित करने से ही होता है ।शिक्षा मानव जीवन की एक महत्वपूर्ण इकाई है। किसी देश के विकास में उस देश की शैक्षिक व्यवस्था का बहुत अत्यधिक महत्व होता है और अगर उस शिक्षा का मुख्य उद्देश्य छात्रों को व्यवसाय दिलाना और उनको जीविकोपार्जन योग्य बनाना हो तो उस देश का विकास निश्चित होता हैं।

व्यावसायिक एवं कौशल शिक्षा -अर्थ एवं परिभाषा

व्यावसायिक शिक्षा आधुनिक युग की मांग है। शिक्षा को व्यावसाय के साथ जोडना ही व्यावसायिक शिक्षा कहलाती हैं|शिक्षा के क्षेत्र में व्यावसायिक शिक्षा को जोडने का प्रथम प्रयास कोठारी आयोग १९६४ में किया व्यावसायिक शिक्षा दो शब्दों के संयोग से निर्मित है।व्यावसायिक शिक्षा वह शिक्षा है जो व्यवसाय संचालन संबंधी जानकारी प्रदान करती है।

राधाकृष्ण आयोग -"व्यावसायिक शिक्षा वह प्रक्रिया है जिसमें स्त्री एवं पुरूष व्यावसायिक भावनाओं के साथ परिश्रम पूर्व और उत्तरदायी सेवा केलिए अपने को योग्य बनाते हैं।

प्रभावशाली शिक्षण के विभिन्न कौशलों का ज्ञान तथा उसकी पहचान करना एक कुशल शिक्षक केलिए महत्वपूर्ण कार्य है।

परिभाषा-मैकन्टेयर तथा ह्वाइट के अनुसार "यह संबंध शिक्षण व्यवहारों का वह स्वरूप होता है जो कक्षा की इशिष्ट अन्त:प्रक्रिया को उत्पन्न करता है जो शैक्षिक उद्देश्य को प्राप्त करने में शायक होता है और छात्रों को सीखने में सुगमता प्रदान करता हैं|शिक्षण कौशल शिक्षण विधि को प्रभावी तथा सफल बनाते है।ये कौशल शिक्षा क्रियाओं अथवा व्यवहारों से सम्बन्धित होते है"।

व्यावसायिक अवधारणा : व्यावसायिक शिक्षा द्वारा शिक्षा के वास्तविक उद्देश्य को मूर्त रूप प्रदान किया जाता है।व्यावसायिक शिक्षा से लोगों की सही आदत और सही सोच की पुनर्रावृत्ति होती है।आज का परिदृश्य उठा के देखो तो बढती हुई बेरोजगारी सर्वाधिक चिंता का विषय है। इसका निराकरण केवल तभी संभव है आम आदमी रोजगार का सृजन करे ।बेरोजगारी का अंत तभी संभव है जब आदमी अपना उद्धम स्वयं सृजन करे और यह तभी हो सकता है जब हर हाथ हुनर मंद हो।आज हमारे देश में कौशलबद्ध और विशेषज्ञ लोगों की मांग बढ रही है।छात्रों की सुविधा के साथ-साथ कालकाजी पेशेवरों के हितों को ध्यान में रखते हुए,भारत सरकार पूर्णकालिक और अंशकालिक दोनों पाठ्यक्रमों में व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान करती है ।पूर्णकालिक प्रशिक्षण औध्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों के माध्यम से प्रदान किया जाता है।जबकि अंशकालिक पाठ्यक्रम राज्य तकनीकी शिक्षा द्वारा प्रदान किए जाते हैं।

किसी देश में व्यावसायिक शिक्षा की उपलब्धता और गुणवत्ता इसकी औद्योजिक और आर्थिक प्रगति को निर्धातित करती है।अपेक्षाकृत कम उम्र में और काफी कम समय में, एक व्यावसायिक छात्र व्यापार के कौशल को सीखता है और अपने कैरियर और विकार को हासिल करते हुए व्यावहारिक कार्य अनुभव प्राप्त करता है।आगे बढने के लिए और बिना किसी उम्र के साथ सस्ता होने के कारण ,व्यावसायिक शिक्षा आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के या बुजुर्गों केलिए एक विकल्प प्रदान करती है।

कौशल शिक्षा-अवधारणा : माध्यमिक स्तर के छात्रों में पढाई के साथ उनमें रोजगारपरक कुशलता वाली शिक्षा का भी विकास करना आज की शिक्षा का सबसे बडा कर्तव्य है। किसी भी समाज में शिक्षित व्यक्ति यदि बेरोजगार रहता है तो उसकी शिक्षा का लाभ किसी भी तरीके से दूसरा व्यक्ति नहीं उठा सकते हैं,इसलिए उसे रोजगार से जोडने वाली कौशल-शिक्षा भी साथ में दी जाए ताकि अपने भावी जीवन में वह बेरोजगार न रहे और अपनी शिक्षा का समुचित उपयोग वह कर सकें।शिक्षा के साथ कुशलता वाली शिक्षा देने से छात्रों को दोहरा लाभ होता है।भविष्य में उन्हें रोजगार की चिंता नहीं होती हैं। शिक्षा इंसान के जीवन को परिवर्तित कर उनमें मानवीय गुण का संचार करती है। आज के समय में विज्ञान,आनलाइन तकनीक और रचनात्मक कला तीव्र गति से बढ रही है और इन क्षेत्रों में उत्तम कार्मिकों की आकश्यकता भविष्यों में है।

आज ऐसे युवाओं की आवश्यकता है जो शिक्षा ग्रहण करने के बाद रोजगार के अवसर पैदा करें इसलिए व्यावहारिक तकनीकी कुशलता युक्त कई पाठ्यक्रम शिक्षा के पारंपरिक विषयों के साथ माध्यमिक स्तर से उत्तर स्तर तक शिक्षा व्यवस्था में लागू करना आवश्यक है। इस समय "कौशल" को लेकर शिक्षा के क्षेत्र में खासी धूम मची हुई है । देश की सामर्थ के विस्तार हेतु कौशल और क्षमता पर बल देना निश्चय ही आवश्यक है। जीवन की चुनौतियों का सामना करने केलिए विभिन्न प्रकार के कौशल की आवश्यकता होती है।शिका में जीवन कौशल शिक्षा का उद्देश्य अपने आपको पहचानने व जीवन की चुनौतियों का सामना करनें में छात्र को पारंगत है आज के छात्र जीवन की सच्चाईयों व व्यावहारिकता से परिचित नहीं हो पाते हैं।इसी को ध्यान में रखते हुए विध्यालय स्तर पर जीवन कौशल शिक्षा लागू करना अनिवार्य है।

व्यावसायिक एवं कौशल शिक्षा विशेषताएं एवं महत्व: व्यावसायिक शिक्षा से छात्रों की रोजगार पाने की क्षमता बढेगी ,कुशल जनशक्ति की मांग और आपूर्ति के बीच अस्त व्यस्त असंतुलन कम होगा नौर बिना विशेष रूचि तथा प्रयोजन के उच्चतर अध्ययन जारी रखने छात्रों केलिए विकल्प उपलब्द हो जाएगा। इस शिक्षा के कारण देश में तेजी से आर्थिक विकास होगा । पिछले कुछ वर्षों में भारत ने तेजी से प्रगति की हैं एवं वैश्विक मंदी का इस पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पडा है तो इसके पीछे हमारी व्यावसायिक शिक्षा का ही हाथ हैं।

जीवन कौशल शिक्षा परेशानियों से जूझने और संघर्ष करने का हौसल देती है ।इससे संस्कारि

बच्चे,परिवार,अभिभावक और समाज की नींव तैयार होती है।जीवन कौशल शिक्षा को स्कूली पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाकर बेहतर नतीजे हासिल किए जा सकते हैं।वर्तमान प्रधानमंत्री सई नरेन्द्र मोदी जी १५ जुलाई २०१५ को स्किल इंडिया मुहीम की घोषणा की जिसमें उन्होंने सन २०२२ तक पूरे भारत के लोग इस मुहीम के तहत कुशल बनाने का प्रण लिया है ।इस स्किल इंडिया मुहीम के तहत गावों या जिलों में ऐसे संस्थान किये जाते हैं जहां पर नि:शुल्क या मामूली शुल्क लेकर उनके स्किल को विकसित का काम किया जाता है।कौशल भारत अभियान का उददेश्य स्वयं सफल बनाने के साथ भारत से बहु -आयामी समस्याओं का निराकरण करना भी है। भारत युवाओं का देश कहा जाता है ऐसे में यह बेहद जरूरी हो जाता है की वे अपने स्किल्स का विकास

करें ताकि उसके माध्यम से वे खुद के जीवन में बदलाव लाने के साथ देश कॊ भी आर्थिक रूप से मजबूती ला सकें।कौशल आधारित शिक्षा छात्रों कॊ अपने सीखने का विश्लेषण करने और समझ के अंतर कॊ कम करने में मदद करती है।छात्रों को उनकी कौशल -आधारित शिक्षा में पॊषित किया जाता है जॊ उन्हें भविष्य में उनके चुने हुए भविष्य केलिए कुशल नेता बनाता है।

निष्कर्ष :

जीवन में सफलता प्राप्त करने केलिए शिक्षा एक महत्वपूर्ण साधन है।व्यावसायिक शिक्षा लॊगों को हुनरमंद और काबिल बनाती है ।यह उन लॊगों केलिए सुनहरा अवसर हॊता है जिनकी किसी कारणवश पढाई बीच में ही छूट जाती है ,या आर्थिक तंगी के कारण आगे पढ नहीं पाते।व्यावसायिक शिक्षा आज की युवा -पीढी केलिए वरदान हैं।व्यावसायिक शिक्षा का मूलभूत उद्देश्य आम नागरिक के हाथ में देकर देश की प्रगति में यॊगदान देना है। शिक्षा इंसान कॊ जीवन जीने की कला सिखाती है इसके साथ कुशल भी बनाती हैं ।रॊजगारपरक कुशलता कॊ निखारने वाली,कुशलता कॊ बढानीवाली शिक्षा की आवश्यकता भारत जैसे देश में हैं।यह कुशलता भविष्य में उन्हें सीधे रॊजगार से जॊडती हैं।

संदर्भ ग्रंथ सूची

1.https://www.orfonline.org/hindi/research
2.https://www.hindikiduniya.com -on-vocational-education-in-hindi/
3.https://www.patrika.com/jaipur-news/life-skill-education-5085122/
4.https://hindi.aicte-india.org/education/vocational-education-hi